PBS Ahmednagar- 9881325454

Nandanwan nagar, Bhistabaug, Savedi, Ahmednagar

MEERA PAD

Class 10 - हिंदी ब

निर्धारित समय: 1 hour **अधिकतम अंक: 45**

1. भगवान भक्तों के संकट दूर करते हैं - यह सिद्ध करने के लिए मीरा ने क्या-क्या उदाहरण दिए हैं? **[3]**
2. मीरा ऊँचे-ऊँचे महलों और बीच-बीच में बारी की कल्पना क्यों करती हैं? **[3]**
3. मीराबाई की भाषा शैली पर प्रकाश डालिए। **[3]**
4. कौन-कौन से तर्क देकर मीरा कृष्ण से दर्शन देने का आग्रह करती हैं? मीरा के पद के आधार पर बताइए। **[3]**
5. निम्नलिखित पक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट कीजिए- **[3]**

   चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।

   भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
6. मीराबाई ने हरि से स्वयं का कष्ट दूर करने की जो विनती की है उसमें स्वयं का कृष्ण से कौन-सा संबंध बताया है? जिन भक्तों के उदाहरण दिए हैं उनमें से एक पर की गई कृष्ण कृपा को संक्षेप में लिखिए। **[3]**
7. **निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए-** **[4]**

   हरि आप हरो जन री भीर।

   द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।

   भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप शरीर।

   बूढ़तो गज़राज राख्यों, काटी कुण्जर पीर।

   दासी मीरा लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

   I. प्रस्तुत पद में **भीर** का क्या अर्थ है?

   i. भीड़

   ii. भिड़ना

   iii. लड़ना

   iv. विपत्ति

   II. कृष्ण ने द्रौपदी की लाज किस प्रकार रखी?

   i. दुष्टों को मारकर

   ii. द्रौपदी का कौरवों की सभा में चीर बढ़ाकर

   iii. दुशासन का वध करके

   iv. कौरवों का अंत करके

   III. कृष्ण ने नरहरि का रूप किसकी रक्षा के लिए धारण किया?

   i. हिरण्यकश्पु की

   ii. भक्त प्रहलाद की

   iii. अहिल्याबाई की

   iv. होलीका की

   IV. कृष्ण ने गजराज की रक्षा किससे की?

   i. साँप से

   ii. सिंह से

SAIRAJ

iii. नरसिंह से

iv. मगरमच्छ से (ग्राह से)

8. **निम्नलिखित पद के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** **[4]**

चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसन पास्यूँ, सुमरन पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बनावँ बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरा।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीरा।

I. कुसुंबी साड़ी पहनने से क्या तात्पर्य है ?

i. साड़ी पहनना

ii. कृष्ण के दर्शन प्राप्त करना

iii. कृष्ण की दासी बनना

iv. गाय चराना

II. मीरा कृष्ण को कहाँ दर्शन देने के लिए कहती है ?

i. वृंदावन में

ii. वन में

iii. महल में

iv. जमुना के किनारे

III. **मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।**
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
प्रस्तुत पंक्ति में क्या वर्णित है?

i. कृष्ण का रूप

ii. कृष्ण

iii. मीरा के कृष्ण

iv. एक गाय चराने वाला

IV. जागीरी का क्या अर्थ है?

i. एक फूल

ii. याद करना

iii. साम्राज्य

iv. किनारा

प्रश्न संख्या 9 से 12 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[4]**

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप शरीर।
बूढ़तो गज़राज राख्यों, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीरा लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

SAIRAJ

9. प्रस्तुत पद में **भीर** का क्या अर्थ है?

क) लड़ना
ख) विपत्ति
ग) भीड़
घ) भिड़ना

10. कृष्ण ने द्रौपदी की लाज किस प्रकार रखी?

क) कौरवों का अंत करके
ख) दुष्टों को मारकर
ग) द्रौपदी का कौरवों की सभा में चीर बढ़ाकर
घ) दुशासन का वध करके

11. कृष्ण ने नरहरि का रूप किसकी रक्षा के लिए धारण किया?

क) होलीका की
ख) भक्त प्रहलाद की
ग) हिरण्यकश्पु की
घ) अहिल्याबाई की

12. कृष्ण ने गजराज की रक्षा किससे की?

क) नरसिंह से
ख) मगरमच्छ से (ग्राह से)
ग) साँप से
घ) सिंह से

प्रश्न संख्या 13 से 17 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

स्याम म्हाने चाकर राखो जी,
गिरधारी लाल म्हाँने चाकर राखोजी।
चाकर रहस्यूँ बाग लगास्यूँ नित उठ दरसण पास्यूँ।
बिन्दरावन री कुंज गली में, गोविन्द लीला गास्यूँ।
चाकरी में दरसण पास्यूँ, सुमरण पास्यूँ खरची।
भाव भगती जागीरी पास्यूँ, तीनूं बाताँ सरसी।
मोर मुगट पीताम्बर सौहे, गल वैजन्ती माला।
बिन्दरावन में धेनु चरावे, मोहन मुरली वाला।
ऊँचा ऊँचा महल बणावं बिच बिच राखूँ बारी।
साँवरिया रा दरसण पास्यूँ, पहर कुसुम्बी साड़ी।
आधी रात प्रभु दरसण, दीज्यो जमनाजी रे तीरां।
मीराँ रा प्रभु गिरधर नागर, हिवड़ो घणो अधीराँ।।

SAIRAJ

13. मीरा किसकी चाकरी करना चाहती हैं?

क) गिरधर की
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) श्रीकृष्ण की
घ) श्याम की

14. मीरा श्रीकृष्ण का साथ पाने के लिए क्या-क्या करने को तैयार हैं?

क) सभी विकल्प सही हैं
ख) चाकर बनने को
ग) बाग-बगीचे लगाने को
घ) ऊँचे-ऊँचे महल बनवाने को

15. मीरा श्रीकृष्ण के दर्शन किस रंग की साड़ी पहनकर करना चाहती हैं?

क) लाल रंग की
ख) कुसुम्बी रंग की
ग) पीले रंग की
घ) हरे रंग की

16. मीरा श्रीकृष्ण से आधी रात को कहाँ मिलने जाना चाहती हैं?

क) यमुना के तट पर
ख) नदी के किनारे
ग) गंगा के तीर
घ) वृंदावन में

17. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती हैं ?

क) क्योंकि वे धन कमाना चाहती थी
ख) क्योंकि वे एक दासी थी
ग) क्योंकि वे निर्धन थी
घ) क्योंकि वे श्रीकृष्ण को देखने का एक भी मौका खोना नहीं चाहती

प्रश्न संख्या 18 से 22 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

हरि आप हरो जन री भीर।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।
भगत कारण रूप नरहरि, धर्यो आप सरीर।
बूढ़तो गजराज राख्यो, काटी कुण्जर पीर।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर।।

18. प्रस्तुत पद में मीराबाई किसकी अराधना कर रही हैं?

क) भगवान शिवजी की
ख) भगवान विष्णु की
ग) भगवान श्रीराम की
घ) भगवान श्रीकृष्ण की

19. **हरि आप हरो जन री भीर** पंक्ति का आशय है-

क) हे प्रभु! मेरी पीड़ा हरो।
ख) हे प्रभु! आप अपने सभी भक्तों के दुःख दूर करो।
ग) हे प्रभु! केवल मेरी पीड़ा दूर करो।
घ) इनमें से कोई नहीं

20. श्रीकृष्ण ने वस्त्र बढ़ाकर किसकी लाज बचाई थी?

क) कुंती की
ख) द्रौपदी की
ग) मीरा की
घ) सीता की

21. भक्त प्रह्लाद की रक्षा हेतु भगवान श्रीकृष्ण ने किसका अवतार लिया?

क) मगरमच्छ का
ख) सभी विकल्प सही हैं
ग) नरसिंह का
घ) ऐरावत का

22. पद के अनुसार निम्न में से कौन सही नहीं है?

i. कृष्ण ने इन्द्र के हाथी को बचाया था।
ii. कृष्ण ने मीरा को बचाया था।
iii. कृष्ण अपने भक्तों की पुकार सुनते हैं।
iv. कृष्ण ने द्रौपदी को नहीं बचाया था।
v. कृष्ण ने अपना रूप नहीं बदला था।

क) (i), (ii), (iv)
ख) (i), (ii), (iv), (v)
ग) (ii), (iv), (v)
घ) (i), (iii), (iv)

प्रश्न संख्या 23 से 27 दिए गए अनुच्छेद पर आधारित हैं। अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

हँसी शरीर के स्वास्थ्य का शुभ संकेत देने वाली होती है। वह एक साथ ही शरीर और मन को प्रसन्न करती है। वाचन-शक्ति बढ़ाती है, रक्त को चलाती और पसीना लाती है। हँसी एक शक्तिशाली दवा है। एक डॉक्टर कहता है कि वह जीवन की मीठी मदिरा है। डॉक्टर ह्यूड कहता है कि आनंद से बढ़कर बहुमूल्य वस्तु मनुष्य के पास नहीं है। कारलाइल एक राजकुमार था। वह संसार त्यागी हो गया था। वह कहता है कि जो जी से

SAIRAJ

हँसता है, वह कभी बुरा नहीं होता। जी से हँसो, तुम्हें अच्छा लगेगा।
अपने मित्र को हँसाओ, वह अधिक प्रसन्न होगा। शत्रु को हँसाओ, तुम से कम घृणा करेगा। एक अनजान को हँसाओ, तुम पर भरोसा करेगा। उदास को हँसाओ, उसका दुख घटेगा। एक निराश को हँसाओ, उसकी आशा बढ़ेगी। एक बूढ़े को हँसाओ, वह अपने को जवान समझने लगेगा। एक बालक को हँसाओ, उसके स्वास्थ्य में वृद्धि होगी। वह प्रसन्न और प्यारा बालक बनेगा। पर हमारे जीवन का उद्देश्य केवल हँसी ही नहीं है, हमको बहुत काम करने हैं तथापि उन कामों में, कष्टों में और चिंताओं में एक सुंदर आंतरिक हँसी, बड़ी प्यारी वस्तु भगवान ने दी है।

23. ह्यूड ने मनुष्य के लिए सबसे बहुमूल्य वस्तु किसे बताया है?

क) हँसी को
ख) आनंद को
ग) आशा को
घ) दवा को

24. डॉक्टर ने हँसी को किसके समान बताया है?

क) कडवी मदिरा के
ख) मीठी मदिरा के
ग) मदिरा के
घ) दवा के

25. एक बालक को हँसाने पर क्या होगा?

क) उसकी आशा बढ़ती है
ख) उसकी ख़ुशी बढती है
ग) उसे आनंद मिलता है
घ) उसका स्वास्थ्य बढ़ता है

26. गद्यांश में ईश्वर द्वारा प्रदत्त बड़ी प्यारी वस्तु किसे कहा गया है और क्यों?

क) बाहरी हँसी
ख) आन्तरिक हँसी
ग) ख़ुशी
घ) हँसी

27. उदास को हँसाने पर क्या होता है?

क) वह प्रसन्न होता है
ख) उसका दुःख घटता है
ग) वह हँसता है
घ) वह रोता है

SAIRAJ